**<u>राज्य सभा</u>**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 613**

**26 जून, 2019 को उत्तर के लिए**

**इस्पात के निर्यात को बढ़ाने के लिए नीति**

**613 डा. विनय पी. सहस्रबुद्धेः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा इस्पात के निर्यात को बढ़ाने और चीन से इस्पात के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं/ नीति संबंधी पहलें की गई हैं; और

(ख) इन कदमों से रोज़गार उत्पन्न करने में कैसे मदद मिली है और संबंधित उद्योग में गत तीन वर्षों में कितनी नौकरियों का सृजन हुआ है?

**<u>उत्तर</u>**

**इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की निर्यात प्रोत्साहन स्कीमों का उद्देश्य इस्पात सहित व्यापारिक निर्यात को प्रोत्साहित करना है। गत तीन वर्षों से चीन से इस्पात का आयात 2.163 मिलियन एमटी से कम होकर 1.562 मिलियन एमटी हो गया है। आयात में यह कमी चीनी इस्पात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने और प्रतिकारी शुल्क लगाने जैसे उपायों के परिणामस्वरूप आई है।

(ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, अतः निजी इस्पात क्षेत्र में कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में विशेष निर्णय अलग-अलग इस्पात कंपनियों/निवेशकों द्वारा अपनी जरुरत के आधार पर लिया जाता है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के मामले में, इस्पात के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने पिछले तीन वर्षों में और चालू वर्ष में लगभग 4067 लोगों को नियमित रोजगार प्रदान किया है।

****